UGC APPROVED JOURNAL - 47746
INNOVATIVE RESEARCH THOUGHTS | Refereed | Peer Reviewed | Indexed
ISSN : 2454 – 308X | Volume : 04 , Issue : 03 | January – March 2018

एकल एवं सहशिक्षा विद्यालयों के संस्थागत वातावरण का उनके विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा के सम्बन्ध का तुलनात्मक अध्ययन

डॉ० प्रकाश नारायण तिवारी
विभागाध्यक्ष (बी०एड०), वैदिक महाविद्यालय, दिबियापुर
औरेया (उ०प्र०)

सारांश

मानव को श्रेष्ठ एवं उन्नतिशील प्राणी के निर्माण में शिक्षा, शिक्षक एवं शिक्षालयों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। छात्रों में आकांक्ष स्तर एवं उपलब्धि अभिप्रेरणा को उत्पन्न करने में संस्थागत वातावरण काफी हद तक उत्तरदायी होता है। यदि संस्थागत वातावरण अनुकूल है तो छात्रों में अपेक्षित गुणों का विकास होगा। विद्यालय के अनुकूल, सुनियोजित एवं सुव्यवस्थित वातावरण में छात्रों द्वारा उपलब्धि अभिप्रेरणाएँ एवं आकांक्षाएँ उसके व्यक्तित्व को सम्पूर्ण एवं संतुलित प्रारूप प्रदान करती है। शोधकर्त्ता ने प्रस्तुत अध्ययन में एकल एवं सहशिक्षा विद्यालयों के संस्थागत वातावरण का उनके विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा के सम्बन्ध का तुलनात्मक अध्ययन किया। प्रस्तुत अध्ययन में न्यादर्श हेतु शोधकर्त्ता ने कानपुर नगर के उच्चतर माध्यमिक (कक्षा 11) स्तर के 500 विद्यार्थियों (125 एकल बालक विद्यालय तथा 250 सहशिक्षा विद्यालय) का चयन यादृच्छिक न्यादर्शन विधि द्वारा किया। प्राप्त अध्ययन में एकल बालक, एकल बालिका तथा सहशिक्षा विद्यालयों के संस्थागत वातावरण का विद्यार्थियों के उपलब्धि अभिप्रेरणा के सम्बन्ध में अधिकांशतः सार्थक अन्तर प्राप्त हुआ।

मुख्य शब्द– एकल विद्यालय, सहशिक्षा विद्यालय, संस्थागत वातावरण, उपलब्धि अभिप्रेरणा।

प्रस्तावना:–

मानव को श्रेष्ठ एवं उन्नतिशील प्राणी के निर्माण में शिक्षा, शिक्षक एवं शिक्षालयों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। छात्रों में आकांक्षा स्तर एवं उपलब्धि अभिप्रेरणा को उत्पन्न करने में संस्थागत वातावरण काफी हद तक उत्तरदायी होता है। यदि संस्थागत वातावरण अनुकूल है तो छात्रों में अपेक्षित गुणों का विकास होगा और वे जीवन में उत्तरोत्तर सफलता की सीढ़ियों में चढ़ते जाएंगे तथा जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता का परचम लहराएंगे परन्तु यदि संस्थागत वातावरण प्रतिकूल है तो छात्रों में इन सर्वगुणों का विकास कुंठित हो जाएगा और वे जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में असफल सिद्ध होंगे।

व्यक्ति के सोचने की क्षमता तथा कार्य करने की मात्रा शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करती है। विभिन्न व्यक्तियों के सोचने तथा कार्य करने की क्षमता भी भिन्न–भिन्न होती है, क्योंकि वैयक्तिक भिन्नता के कारण शैक्षिक आकांक्षाओं का स्तर भी भिन्न–भिन्न होता है। किसी भी विद्यालय का संस्थागत वातावरण उस विद्यझलय की शैक्षिक गुणवत्ता एवं सफलता का प्रतिबिम्ब होता है। दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि किसी विद्यालय के संस्थागत वातावरण के बारे में जानकारी प्राप्त करके उस विद्यालय की शैक्षिक गुणवत्ता एवं सफलता का अनुमान सहजतापूर्वक लगाया जा सकता है।

सन् 1986 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भी उपर्युक्त संस्थागत वातावरण सृजित करने का निर्णय लिया गया है। वास्तव में सकारात्मक वातावरण ही विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति के पथ में उपयोगी तो दूसरी ओर विपरीत वातावरण विद्यार्थियों के व्यक्तित्व पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। विद्यालय में ही बालकों का प्रतिभा रूपी बीज अंकुरित एवं पल्लवित होकर सुविकसित एवं पूर्ण व्यक्तित्व को प्राप्त करता है। विद्यालय के अनुकूल, सुनियोजित एवं सुव्यवस्थित वातावरण में छात्रों द्वारा उपलब्धि अभिप्रेरणाएँ एवं आकांक्षाएँ उसके व्यक्तित्व को संपूर्ण एवं संतुलित प्रारूप प्रदान करती है। शोधकर्त्ता को विद्यार्थियों की

उपलब्धि अभिप्रेरणा से सम्बन्धित कुछ अध्ययन भी प्राप्त हुए। अवस्थी (2002) ने उपलब्धि अभिप्रेरणा के विकास में लिंग, बुद्धि–लब्धि और सामाजिक–आर्थिक स्थिति क भूमिका का अध्ययन किया। सिन्हा एवं अहमद (2007) ने अनुदानित एवं निजी विद्यालयों के उच्च्त माध्यमिक विद्यालयों की उपलब्धि अभिप्रेरणा का तुलनात्मक अध्ययन किया। त्रिपाठी (2009) ने अपने शोध अध्ययन में माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के शैक्षिक निष्पादन पर लैंगिक अर्न्तक्रिया प्रभाव, आवासीय स्थिति तथा उपलब्धि अभिप्रेरणा के प्रभाव का अध्ययन किया। एम०एल० शर्मा (1972) ने विद्यालय का संगठनात्मक वातावरण और विद्यार्थियों की उपलब्धियों का अध्ययन विषय प कार्य किया। रीता तिवारी (1984) ने सुविधायुक्त एवं सुविधाविहीन बच्चों की उपलब्धि प्रेरणा, बुद्धि एवं व्यक्तित्व गुणों का अध्ययन विषय पर शोध कार्य किया। मुरलीधर मिश्रा (2010) ने उपलब्धि अभिप्रेरणा के सन्दर्भ में संस्कृत व हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों की अधिगम शैलियों का तुलनात्मक अध्ययन विषय पर शोध किया।

शोधकर्त्ता ने अपने अध्ययन के दौरान यह पाया कि सम्बन्धित विषय से मिलते–जुलते अनेकों शोध कार्य हुए हैं लेकिन कोई भी शोध कार्य एकल एवं सहशिक्षा विद्यालयों में अध्ययनरत् उच्चत माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के सन्दर्भ में उनके संस्थागत वातावरण का विद्यार्थियों की आकांक्षा स्तर एवं उपलब्धि अभिप्रेरणा के सम्बन्ध में स्पष्ट धारणा प्रस्तुत नहीं करता। यही कारण है कि शोधकर्त्ता ने अपने शोध अध्ययन में एकल एवं सहशिक्षा विद्यालयों के संस्थागत वातावरण का उनके विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा के सम्बन्ध का तुलनात्मक अध्ययन किया।

अध्ययन के उद्देश्यः–

प्रस्तावित अध्ययन के उद्देश्य इस प्रकार निर्धारित किए गए–

1. एकल शिक्षा विद्यालयों के संस्थागत वातावरण का विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा से सम्बन्ध का अध्ययन।

1(अ) एकल बालक विद्यालयों के संस्थागत वातावरण का विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा से सम्बन्ध का अध्ययन।

1(ब) एकल बालिका विद्यालयों के संस्थागत वातावरण का विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा से सम्बन्ध का अध्ययन।

2. सहशिक्षा विद्यालयों के संस्थागत वातावरण का विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा से सम्बन्ध का अध्ययन।

3. एकल एवं सहशिक्षा विद्यालयों के उच्च संस्थागत वातावरण का विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा से सम्बन्ध का अध्ययन।

3(अ) एकल बालक विद्यालयों एवं सहशिक्षा विद्यालयों के उच्च संस्थागत वातावरण का विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा से सम्बन्ध का अध्ययन।

3(ब) एकल बालिका विद्यालयों एवं सहशिक्षा विद्यालयों के उच्च संस्थागत वातावरण का विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा से सम्बन्ध का अध्ययन।

4. एकल एवं सहशिक्षा विद्यालयों के निम्न संस्थागत वातावण का विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा से सम्बन्ध का अध्ययन।

4(अ) एकल बालक विद्यालयों एवं सहशिक्षा विद्यालयों के निम्न संस्थागत वातावरण का विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा से सम्बन्ध का अध्ययन।

4(ब) एकल बालिका विद्यालयों एवं सहशिक्षा विद्यालयों के निम्न संस्थागत वातावरण का विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा से सम्बन्ध का अध्ययन।

शोध परिकल्पनाएँः–

प्रस्तुत शोध हेतु निर्मित परिकल्पनाएँ इस प्रकार है–

1. एकल विद्यालयों को संस्थागत वातावरण उनके विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा से सार्थक रूप से सम्बन्धित है।
2. सहशिक्षा विद्यालयों को संस्थागत वातावरण उनके विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा से सार्थक रूप से सम्बन्धित है।
3. एकल एवं सहशिक्षा विद्यालयों का उच्च संस्थागत वातावरण विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा से सार्थक रूप से सम्बन्धित है।
4. एकल एवं सहशिक्षा विद्यालयों का निम्न संस्थागत वातावण विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा से सार्थक रूप से सम्बन्धित है।

शोध विधिः–

प्रस्तुत अध्ययन में विवरणात्मक सर्वेक्षण शोध विधि का अनुसरण किया गया है।

प्रतिदर्शः–

प्रस्तुत अध्ययन में शोधकर्त्ता ने जनसंख्या के रूप में कानपुर नगर के कक्षा 11 के विद्यार्थियों का चयन न्यादर्श के रूप में किया, जिसमें से कानपुर नगर में स्थित विद्यालयों का चयन साधारण यादृच्छिक प्रतिचयन विधि द्वारा किया गया। चयन न्यादर्श का वितरण सारणी–1 में प्रस्तुत है।

सारणी–1

प्रदत्त संकलन हेतु चयनित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय

		कुल सं० 500
विद्यालय का प्रकार	**विद्यालयों की संख्या**	**विद्यार्थियों की संख्या**
एकल बालक विद्यालय	05	125
एकल बालिका विद्यालय	05	125
सहशिक्षा विद्यालय	10	250

शोध उपकरणः–

प्रस्तुत शोध में निर्धारित उद्देश्यों की पूर्ति हेतु प्रयुक्त उपकरण इस प्रकार हैं–

उपलब्धि अभिप्रेरणा मापनी– डॉ० बीना शाह (Dr. Beena Shah)।

फलांकनः–

उक्त मापनी को विद्यार्थियों पर प्रशासित कर उनकी प्रतिक्रियाओं के आधार पर प्राप्तांक प्राप्त किया तथा इसके आधार पर मध्यमान ज्ञात करते हुए अन्य प्राचल परीक्षणों का प्रयोग किया गया।

प्रयुक्त सांख्यिकीय प्रविधियाँः–

प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु प्रयुक्त सांख्यिकीय विधियाँ इस प्रकार हैं–

1. $$M = \frac{\Sigma fx}{N}$$

2. $$S.D. = \sqrt{\frac{\Sigma fd^2}{N} - \left(\frac{\Sigma fd}{N}\right)^2} \times C.L.$$

3. $$t = \sqrt{\frac{(\sigma_1)^2}{N_1} + \frac{(\sigma_2)^2}{N_2}}$$

सार्थकता स्तर–

प्रस्तुत अध्ययन में परिकल्पनाओं का परीक्षण 0.05 तथा 0.01 स्तरों पर किया गया।

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या:–

प्रयुक्त विधियों एवं प्रविधियों के अनुसार संकलित आंकड़ों का सांख्यिकीय विश्लेषण एवं उनके परिणामों का आंकलन इस प्रकार है–

1. प्रस्तुत अध्ययन का पहला उद्देश्य एकल शिक्षा विद्यालयों के संस्थागत वातावरण का विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा से सम्बन्ध का अध्ययन करना प्रस्तावित था। जिसका विवरण सांख्यिकीय विश्लेषण सारणी–2 में प्रस्तुत है–

तालिका–2(अ)

एकल बालक विद्यालयों के संस्थागत वातावरण का विद्यार्थियों के उपलब्धि अभिप्रेरणा से सम्बन्ध

क्र० सं०	चर	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S)	संख्या (N)	t	0.01 स्तर पर सार्थकता
1.	उच्च संस्थागत वातावरण समूह की उपलब्धि अभिप्रेरणा	107.23	8.12	64	8.50	सार्थक
2.	निम्न संस्थागत वातावरण समूह की उपलब्धि अभिप्रेरणा	93.18	10.18	61		

तालिका संख्या 2(अ) से स्पष्ट है कि उच्च संस्थागत वातावरण वाले समूह की उपलब्धि अभिप्रेरणा के प्राप्तांकों का मध्यमान 107.23 मानक विचलन 8.12 और समूह में विद्यार्थियों की संख्या 64 है। जबकि निम्न संस्थागत वातावरण समूह के लिए उपलब्धि अभिप्रेरणा के प्राप्तांकों का मध्यमान 93.18 एवं मानक विचलन 10.18 है तथा समूह में विद्यार्थियों की संख्या 61 है। दोनों समूहों के प्राप्तांकों के मध्यमानों के बीच t गणना करने पर परिगणित t मान 8.50 सारणी मान 2.58 से अधिक है। अर्थात् उच्च संस्थागत वातावरण एवं निम्न संस्थागत वातावरण समूह में एकल बालक विद्यालयों की उपलब्धि अभिप्रेरणा के मध्य अन्तर सार्थक पाया गया। अर्थात् एकल

तालिका–2(ब)

एकल बालिका विद्यालयों के संस्थगत वातावरण का विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा से सम्बन्ध

क्र० सं०	चर	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S)	संख्या (N)	t	0.01 स्तर पर सार्थकता
1.	उच्च संस्थागत वातावरण समूह की उपलब्धि अभिप्रेरणा	98.05	8.27	38	8.92	सार्थक
2.	निम्न संस्थागत वातावरण समूह की उपलब्धि अभिप्रेरणा	83.97	7.75	87		

तालिका संख्या– 2(ब) से स्पष्ट है कि एकल बालिका विद्यालयों के उच्च संस्थागत वातावरण वाले समूह की उपलब्धि अभिप्रेरणा के प्राप्तांकों का मध्यमान 98.05 मानक विचलन 8.27 और समूह में विद्यार्थियों की संख्या 38 है। जबकि एकल बालिका विद्यालयों के निम्न संस्थागत वातावरण समूह के लिए उपलब्धि अभिप्रेरणा के प्राप्तांकों का मध्यमान 83.97 एवं मानक विचलन 7.75 है तथा समूह में विद्यार्थियों की संख्या 87 है। दोनों समूहों के प्राप्तांकों के मध्यमानों के बीच t गणना करने पर परिगणित t मान 8. 92 सारणी मान 2.58 से अधिक है। अर्थात् उच्च संस्थागत वातावरण एवं निम्न संस्थागत वातावरण समूह में एकल बालिका विद्यालयों की

UGC APPROVED JOURNAL - 47746
INNOVATIVE RESEARCH THOUGHTS | Refereed | Peer Reviewed | Indexed
ISSN : 2454 – 308X | Volume : 04 , Issue : 03 | January – March 2018

प्रस्तुत अध्ययन का दूसरा उद्देश्य सहशिक्षा विद्यालयों के संस्थागत वातावरण का विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा से सम्बन्ध का अध्ययन करना प्रस्तावित था, जिसका सांख्यिकीय विश्लेषण सारणी–3 में प्रस्तुत है–

सारणी–3

सहशिक्षा विद्यालयों के संस्थागत वातावरण का विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा से सम्बन्ध

क्र० सं०	चर	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S)	संख्या (N)	t	0.01 स्तर पर सार्थकता
1.	उच्च संस्थागत वातावरण समूह की उपलब्धि अभिप्रेरणा	106.82	6.27	62	11. 27	सार्थक
2.	निम्न संस्थागत वातावरण समूह की उपलब्धि अभिप्रेरणा	93.88	11.33	188		

तालिका संख्या–3 से स्पष्ट है कि सहशिक्षा विद्यालयों के उच्च संस्थागत वातावरण वाले समूह की उपलब्धि अभिप्रेरणा के प्राप्तांकों की मध्यमान 106.82 मानक विचलन 6.27 और समूह में विद्यार्थियों की संख्या 62 है। जबकि सहशिक्षा विद्यालयों के निम्न संस्थागत वातावरण समूह के लिए उपलब्धि अभिप्रेरणा के प्राप्तांकों का मध्यमान 93.88 एवं मानक विचलन 11.33 है तथा समूह में विद्यार्थियों की संख्या 188 है। दोनों समूहों के प्राप्तांकों के मध्यमानों के बीच t गणना करने पर परिगणित t मान 11.27 सारणी मान 2.58 से अधिक है। अर्थात् सहशिक्षा विद्यालयों के उच्च संस्थागत वातावरण एवं निम्न संस्थागत वातावरण समूह की उपलब्धि अभिप्रेरणा के मध्य अन्तर सार्थक पाया गया। अर्थात् सहशिक्षा विद्यालयों के विद्यार्थियों के संस्थागत वातावरण का उनकी उपलब्धि अभिप्रेरणा के साथ सार्थक सम्बन्ध पाया गया।

प्रस्तुत अध्ययन का तीसरा उद्देश्य एकल एवं सहशिक्षा विद्यालयों के उच्च संस्थागत वातावरण का विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा से सम्बन्ध का अध्ययन करना प्रस्तावित था, जिसका सांख्यिकीय विश्लेषण सारणी–4 प्रस्तुत है–

सारणी–4(अ)

एकल बालक विद्यालयों एवं सहशिक्षा विद्यालयों के उच्च संस्थागत वातावरण का विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा से सम्बन्ध

क्र० सं०	चर	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S)	संख्या (N)	t	0.01 स्तर पर सार्थकता
1.	उच्च संस्थागत वातावरण वाले एकल बालक विद्यालयों के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा	107.23	8.12	64	0.32	असार्थक
2.	उच्च संस्थागत वातावरण वाले सहशिक्षा विद्यालयों के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा	106.82	6.27	62		

तालिका संख्या–4(अ) से स्पष्ट है कि उच्च संस्थागत वातावरण वाले एकल बालक विद्यालायों के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा के प्राप्तांकों का मध्यमान 107.23 मानक विचलन 8.12 और समूह में विद्यार्थियों की संख्या 64 है। जबकि उच्च संस्थागत वातावरण वाले सहशिक्षा विद्यालयों के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा के प्राप्तांकों का मध्यमान 106.82 एवं मानक विचलन 6.27 है तथा समूह में विद्यार्थियों की संख्या 62 है। दोनों समूहों के प्राप्तांकों के मध्यमानों के बीच t गणना करने पर परिगणित t मान 0. 32 सारणी मान 2.58 से कम है। अर्थात् उच्च संस्थागत वातावरण वाले एकल बालक विद्यालयों एवं सहशिक्षा विद्यालयों के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा के मध्य अन्तर असार्थक पाया गया। अर्थात्

UGC APPROVED JOURNAL - 47746
INNOVATIVE RESEARCH THOUGHTS | Refereed | Peer Reviewed | Indexed
ISSN : 2454 – 308X | Volume : 04 , Issue : 03 | January – March 2018

एकल बालक विद्यालयों एवं सहशिक्षा विद्यालयों के विद्यार्थियों के संस्थागत वातावरण का उनकी उपलब्धि अभिप्रेरणा के साथ सम्बन्ध असार्थक पाया गया।

सारणी–4(ब)

एकल बालक विद्यालयों एवं सहशिक्षा विद्यालयों के उच्च संस्थागत वातावरण का विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा से सम्बन्ध

क्र० सं०	चर	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S)	संख्या (N)	t	0.01 स्तर पर सार्थकता
1.	उच्च संस्थागत वातावरण वाले एकल बालक विद्यालयों के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा	98.05	8.27	38	5.62	सार्थक
2.	उच्च संस्थागत वातावरण वाले सहशिक्षा विद्यालयों के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा	106.82	6.27	62		

तालिका संख्या–4(ब) से स्पष्ट है कि उच्च संस्थागत वातावरण वाले एकल बालिका विद्यालयों के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा के प्राप्तांकों का मध्यमान 98.05 मानक विचलन 8.27 और समूह में विद्यार्थियों की संख्या 38 है। जबकि उच्च संस्थगत वातावरण वाले सहशिक्षा विद्यालयों के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा के प्राप्तांकों का मध्यमान 106.82 एवं मानक विचलन 6.27 है तथा समूह में विद्यार्थियों की संख्या 62 है। दोनों समूहों के प्राप्तांकों के मध्यमानों के बीच t गणना करने पर परिगणित t मान 5. 62 सारणी मान 2.58 से अधिक है। अर्थात् उच्च संस्थागत वातावरण वाले एकल बालिका विद्यालयों एवं सहशिक्षा विद्यालयों के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा के मध्य अन्तर सार्थक पाया गया। अर्थात् एकल बालिका विद्यालयों एवं सहशिक्षा विद्यालयों के विद्यार्थियों के उच्च संस्थगत वातावरण का उनकी उपलब्धि अभिप्रेरणा के साथ सम्बन्ध सार्थक पाया गया।

प्रस्तुत अध्ययन का चौथा उद्देश्य एकल एवं सहशिक्षा विद्यालयों के निम्न संस्थागत वातावरण का विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा से सम्बन्ध में अध्ययन करना प्रस्तावित था, जिसका सांख्यिकीय विश्लेषण सारणी–5 में प्रस्तुत है–

सारणी–5(अ)

एकल बालक विद्यालयों एवं सहशिक्षा विद्यालयों के निम्न संस्थागत वातवरण का विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा से सम्बन्ध

क्र० सं०	चर	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S)	संख्या (N)	t	0.01 स्तर पर सार्थकता
1.	निम्न संस्थागत वातावरण वाले एकल बालक विद्यालयों के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा	93.18	10.18	61	0.45	असार्थक
2.	निम्न संस्थागत वातावरण वाले सहशिक्षा विद्यालयों के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा	93.88	11.33	188		

तालिका संख्या–5(अ) से स्पष्ट है कि निम्न संस्थागत वातावरण वाले एकल बालक विद्यालयों के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा के प्राप्तांकों का मध्यमान 93.18 मानक विचलन 10.18 और समूह में विद्यार्थियों की संख्या 61 है। जबकि निम्न संस्थागत वातावरण वाले सहशिक्षा विद्यालयों के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा के प्राप्तांकों का मध्यमान 93.88 एवं मानक विचलन 11.33 है तथा समूह में विद्यार्थियों की संख्या 188 है। दोनों समूहों के प्राप्तांकों के मध्यमानों के बीच t गणना करने पर परिगणित t मान 0. 45 सारणी मान 2.58 से कम है। अर्थात् निम्न संस्थागत वातावरण वाले एकल बालक विद्यालयों एवं

UGC APPROVED JOURNAL - 47746
INNOVATIVE RESEARCH THOUGHTS | Refereed | Peer Reviewed | Indexed
ISSN : 2454 – 308X | Volume : 04 , Issue : 03 | January – March 2018

सहशिक्षा विद्यालयों के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा के मध्य अन्तर असार्थक पाया गया। अर्थात् एकल बालक विद्यालयों एवं सहशिक्षा विद्यालयों के विद्यर्थियों के निम्न संस्थागत वातावरण का उनकी उपलब्धि अभिप्रेरणा के साथ सम्बन्ध असार्थक पाया गया।

सारणी–5(ब)

एकल बालिका विद्यालयों एवं सहशिक्षा विद्यालयों के निम्न संस्थागत वातवरण का विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा से सम्बन्ध

क्र० सं०	चर	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S)	संख्या (N)	t	0.01 स्तर पर सार्थकता
1.	निम्न संस्थागत वातावरण वाले एकल बालक विद्यालयों के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा	83.97	7.75	87	8.45	सार्थक
2.	निम्न संस्थागत वातावरण वाले सहशिक्षा विद्यालयों के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा	93.88	188	188		

तालिका संख्या–5(ब) से स्पष्ट है कि निम्न संस्थागत वातावरण वाले एकल बालिका विद्यालयों के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा के प्राप्तांकों का मध्यमान 83.97, मानक विचलन 7.75 और समूह में विद्यार्थियों की संख्या 87 है। जबकि निम्न संस्थागत वातावरण वाले सहशिक्षा विद्यालयों के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा के प्राप्तांकों का मध्यमान 93.88 एवं मानक विचलन 11.33 है तथा समूह में विद्यार्थियों की संख्या 188 है। दोनों समूहों के प्राप्तांकों के मध्यमानों के बीच t गणना करने पर परिगणित t मान 8. 45, सारणी मान 2.58 से अधिक है। अर्थात् निम्न संस्थागत वातावरण वाले एकल बालिका विद्यालयों एवं सहशिक्षा विद्यालयों के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा के मध्य अन्तर सार्थक पाया गया। अर्थात् एकल बालिका विद्यालयों एवं सहशिक्षा विद्यालयों के विद्यार्थियों के निम्न संस्थागत वातावरण का उनकी उपलब्धि अभिप्रेरणा के साथ सम्बन्ध सार्थक पाया गया।

शैक्षिक निहितार्थः–

शिक्षाशास्त्र, समाजशास्त्र एवं मनोविज्ञान आदि विषयों से सम्बन्धित शोध प्रयास तब तक अर्थपूर्ण नहीं होते जब तक कि इनकी सम्बन्धित क्षेत्र में प्राप्त निष्कर्षों एवं परिणामों की उपादेयता न हो, नहीं तो शोधकर्त्ता द्वारा किया गया शोध कार्य व्यर्थ चला जाता है। शिक्षाशास्त्र, मनोविज्ञान एवं समाज विज्ञानों में शोध का प्रमुख उद्देश्य सम्बन्धित क्षेत्र में व्याप्त कमियों को दूर कर शिक्षा व्यवस्था एवं शैक्षिक गुणवत्ता को अधिक सुदृढ़ एवं सशक्तिकरण करना है। प्रस्तुत शोध अध्ययन से प्राप्त निष्कर्ष शिक्षा के क्षेत्र में उपयोगी साबित होंगे।

सन्दर्भ ग्रंथ सूची

(अ) पुस्तकें–

1. Almock, John C. (2008); “Research and Thesis Writing”, Genesis Publishing Pvt. Ltd. India Page 309.
2. Begum, A. Janitha & Bhargava, Mahesh (2008); “Innovations in Modern Educational Research”, Rakhi Prakashan, Agra-2 Page 368.

3. Bhandarkar, Dr. K.M.; "Statistics in Education (First Edition)", Neelkamal Publication Delhi, Pages 306
4. Bhatnagar, R.P.; Bhatnagar, Anurag (2008); "Research Methodology", Excel Books, Delhi Page 339.
5. Bhattacharya, Deepak Kumar (2008); "Research Methodology", Excel Books, Delhi, Page 339.
6. Bordens, Keneeth S.; Abbott, Bruce, B. (2006); "Research Design and Methods", Tata McGraw Hill Publishing Pvt. Ltd. Page 560.
7. Chandra, S.S.; Rao, Renu (2009); "Educational Psychology Evaluation & Stati Bics", R. Lall Book Depot, Meerut, Pages 715
8. Dooley, David (2008); "Social Research Methods", PHI Pvt. Ltd., New Delhi Page 385.
9. Edward W. Minium, Bruce M. King, Gordan Bear; "Stati Bical Reasoning in Psychology and Education", Wiley India, Page 590.
10. Flick, UWE (2008); "An Introduction to Qualitative Research", Sage Publications India Pvt. Ltd., Page 504.
11. Kalot, Linda; Don, Amy & Dietz, Thomas (2009); "Essentials of Social Research", Tata McGraw Hill Education Pvt. Ltd., Page 225.
12. Kaul, Lokesh (2009); "Methodology of Educational Research", Vikash Publishing House Pvt. Ltd.
13. Kumar, Ranjit (2009); "Research Methodology", Research Education Australia, Page 329.
14. Lal, Raman Bihari & Joshi, Suresh Chandra (2011); "Educational Measurement Evaluation and Stati Bics", R. Lall Book Depot, Meerut, Pages 413.
15. Mangal, S.K. (2010); "Stati Bics in Psychology", PHI Learning Pvt. Ltd. Delhi, Pages 395.
16. McBurney, Donald H.; White, Therisa L. (2007); "Research Methods" Printed & Bind in India by Akash Press, Delhi, Pages 441.
17. Mishra, Bhawna (2008); "An Introduction to Education Research", Sumit Enterprises, New Delhi, Pages 264.
18. Mohan, Radha; Parmeshwaram, E.G. (2003); "Research Methods in Education", Neelkamal Publications Pvt. Ltd., New Delhi.
19. Pannerselvam, R. (2010); "Research Methodology", PHI Learning Pvt. Ltd., Pages 639.
20. Prakash, Ravi (2009); "Evaluation of Education Research", Commonwealth Publishers Pvt. Ltd., Pages 371.
21. Saxena, N.R.; Mishra, B.K.; Mohanty, R.K. (2009); "Fundamentals of Education Research", R. Lall Book Depot-Meerut, Pages 554.
22. Sharma, R.A. (2007); "Essentials of Scientific Behavioral Research", R. Lall Book Depot-Meerut.
23. Sharma, R.A. (2008); "Advanced Stati Bics in Education and Psychology", R. Lall Book Depot, Meerut, Pages 663.
24. Sharma, R.A. (2008); "Elementary Stati Bics in Education and Psychology", R. Lall Book Depot, Meerut, Pages 261.

25. Sharma, R.A. (2009); "Parametric & Non-Parametric Stati Bics in Education & Psychology", R. Lall Book Depot, Meerut, Pages 595.
26. W. Best, John & V. Kahn, James (2009); "Research in Education", PHI Pvt. Ltd., Delhi, Pages 510.
27. Wiersma, William; Turs, Stephen G. (2009); "Research Methods in Education-An Introduction", Dorling Kindersley (India) Pvt. Ltd.
28. Zechmei Ber, Joonne, S.; Zechmei Ber, Eugene B; Shaughnessy, John (2009) "Essentials of Research Methods in Psychology", Tuta McGraw Hill Education Pvt. Ltd., New Delhi, Pags 508.
29. कपिल, एच०के० (2010)– "अनुसंधान विधियाँ व्यवहारपरक विज्ञानों में", एच०पी० भार्गव बुक हाउस, आगरा, पृष्ठ–441
30. कपिल, एच०के० (2011)– "सांख्यिकी के मूल तन्त्र", मै० श्री विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, पृष्ठ 729
31. कौल, लोकेश (1998)– "मेथडलौजी ऑफ एजुकेशन रिसर्च", विकास पब्लिकेशन हाउस प्रा०लि०, पृष्ठ 542
32. गुप्ता, एस०पी०, गुप्ता, डॉ० अलका (2009)– "मनोवैज्ञानिक सांख्यिकी", शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद, पृष्ठ 542
33. गुप्ता, एस०पी०, गुप्ता, डॉ० अलका (2010)– "सांख्यिकी विधियाँ", शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद, पृष्ठ 676
34. गुप्ता, एस०पी० (2010)– "मनोविज्ञान में सांख्यिकी विधियाँ", शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद, पृष्ठ 303
35. रायज़ादा, वी०एस०; शर्मा, वन्दना (2008)– "शिक्षा में अनुसंधान के आवश्यक तत्व", राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर, पृष्ठ 669
36. रावल एवं कपूर (2007)– "शिक्षा में मापन, मूल्यांकन एवं सांख्यिकी", श्री विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, पृष्ठ 318
37. श्रीवास्तव, सी०वी०; शर्मा, माता प्रसाद (2007)– "शैक्षिक अनुसंधान की विधियाँ", श्री कविता प्रकाशन, जयपुर।
38. श्रीवास्तव, डी०एन० (2007)– "सांख्यिकी एवं मापन", श्री विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, पृष्ठ 296
39. श्रीवास्तव, डी०एन० (2009)– "अनुसंधान विधियाँ", साहित्य प्रकाशन, आगरा, पृष्ठ 664
40. श्रीवास्तव, डी०एन० एवं वर्मा, प्रीती (2010)– "मनोविज्ञान, शिक्षा और अन्य सामाजिक विज्ञान में सांख्यिकी", श्री विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, पृष्ठ 572
41. श्रीवास्तव, रामजी; आनन्द, बानी (2008)– "मनोविज्ञान शिक्षा तथा अन्य सामाजिक विज्ञानों में अनुसंधान विधियाँ", मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली, पृष्ठ 549
42. लाल एवं जोशी (2009)– "शिक्षा मनोविज्ञान एवं प्रारम्भिक सांख्यिकी", आर० लाल बुक डिपो, मेरठ, पृष्ठ 687
43. सरीन एवं सरीन (2007)– "शैक्षिक अनुसंधान विधियाँ", अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा, पृष्ठ 433
44. सारस्वत, मालती (2003)– "शिक्षा मनोविज्ञान की रूपरेखा", लखनऊ, आलोक प्रकाशन, पृष्ठ 530
45. सिंह, रामपाल; शर्मा, ओ०पी० (2008)– "शैक्षिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी", अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा, पृष्ठ 615
46. सिंह, एस०पी० (2008)– "सांख्यिकी", एस० चाँद एण्ड कम्पनी लि०, नई दिल्ली, पृष्ठ 714

47. सिंह, लाल साहब (2004)– "मापन मूल्यांकन एवं सांख्यिकी", साहित्य प्रकाशन, आगरा, पृष्ठ 260
48. सिंह, रामपाल एवं शर्मा, ओ०पी० (2007)– "शैक्षिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी", अग्रवाल पब्लिकेशन, पृष्ठ 615
49. शर्मा, आर०ए० एवं चतुर्वेदी, शिखा (2010)– "शिक्षा तथा मनोविज्ञान में अनुसंधान उपकरणों का अध्ययन", आर० लाल बुक डिपो, मेरठ, पृष्ठ 365
50. शर्मा, सुरेन्द्र (2007)– "रिसर्च मेथडलोजी–शैक्षिक परिप्रेक्ष्य", नेहा पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, पृष्ठ 215
51. शर्मा, आर०ए० (2004)– "मापन, मूल्यांकन एवं सांख्यिकी", इंटरनेशनल पब्लिशिंग हाउस, मेरठ, पृष्ठ 422